

LIFELOVEME शिक्षण शृंखला

संस्कृत वाक्य कैसे पढ़ें

शून्य से आरम्भ करने वाले के लिए • स्तर 0

रामः • फलम् • खादति

सीखने का वचन

पहले उदाहरण। फिर ढाँचा। पारिभाषिक नाम तभी, जब वह समझ बढ़ाए।

सुधीर के. अग्रवाल, पीएचडी

हिंदी संस्करण • v1.0 • 16 अगस्त 2026

LifeLoveMe: जीवन से जुड़ा सीखना

LifeLoveMe सीखने, चिंतन, स्वास्थ्य, संबंधों, स्मृतियों और व्यावहारिक सहायता का मानव-केंद्रित ढाँचा है। इसमें तकनीक और AI सहायक हैं—वे ज्ञान को व्यक्ति के लक्ष्य के अनुसार व्यवस्थित करते हैं, पर अनुभव, विवेक और आत्म-अन्वेषण का स्थान नहीं लेते।

लेखक के बारे में

सुधीर के. अग्रवाल, पीएचडी, अभियंता, शिक्षक, शोधकर्ता, उद्यमी और लेखक हैं। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ सस्केचेवान से विद्युत अभियांत्रिकी में पीएचडी की और चार दशकों से अधिक समय तक विद्युत-प्रणाली विश्वसनीयता, प्रायिक विधियों, कंप्यूटर मॉडलिंग और इंजीनियरिंग सॉफ्टवेयर पर कार्य किया है।

उनकी रुचियों में AI, शिक्षा, संस्कृत, भारतीय ज्ञान-परंपरा, अध्यात्म, चेतना, स्वास्थ्य, इतिहास और सामुदायिक अध्ययन सम्मिलित हैं।

संपर्क	विवरण
नाम	Sudhir K Agarwal, PhD
स्थान	San Diego, California, USA
फोन	+1 858 213 7564
ईमेल	info@lifeloveme.com
ढाँचा	LifeLoveMe

1. एक स्पष्ट वाक्य

रामः बालकम् पश्यति।

राम बालक को देखता है।

पद	रूप का संकेत	यहाँ भूमिका
रामः	प्रथमा एकवचन	देखने वाला / कर्ता
बालकम्	द्वितीया एकवचन	जिसे देखा गया / कर्म
पश्यति	एकवचन क्रिया	देखता है / विधेय

तीन प्रश्न

क्या हो रहा है? कौन करता या अनुभव करता है? किस पर प्रभाव पड़ता है?

2. व्यावहारिक विधि

- पूरा वाक्य पढ़ें।
- संभावित विधेय खोजें।
- प्रातिपदिक/धातु और पूरा प्रत्यय देखें।
- क्रिया किन सहभागियों की अपेक्षा करती है, पूछें।
- विभक्ति, अन्वय, अर्थ और प्रसंग साथ प्रयोग करें।
- दो अर्थ रहें तो दोनों लिखें।

3. क्रिया कैसे पहचानें

रूप	गलत शॉर्टकट	बेहतर विश्लेषण
पश्यामः	“अन्त में मः है”	पश्य- + -आमः; हम देखते हैं
रामः	“इसमें भी ः है”	राम- + -ः; यहाँ संज्ञा
पश्यति	“हर -ति क्रिया है”	यहाँ क्रिया; शक्ति/पति संज्ञाएँ हैं
अगच्छः	“हर ः संज्ञा है”	क्रिया: तुम गए

सहायक देखें

धातु, क्रिया-ढाँचा, संज्ञा-रूप और लकार के लिए संस्कृत शिक्षण सहायक §§6–9 देखें।

4. विभक्ति से भूमिका का संकेत

संकेत	प्रश्न	सामान्य उपयोग
प्रथमा	कौन/क्या?	कर्ता; कर्मवाच्य कर्म
द्वितीया	किसे/क्या?	कर्म/लक्ष्य
तृतीया	किससे/किसके द्वारा?	करण/कर्मवाच्य कर्ता
चतुर्थी	किसको/किसके लिए?	सम्प्रदान
षष्ठी	किसका?	संबंध
सप्तमी	कहाँ?	स्थान

5. शब्दक्रम बदल सकता है

वाक्य	स्वाभाविक अर्थ	टिप्पणी
रामः बालकं पश्यति।	राम बालक को देखता है।	सामान्य S-O-V
बालकं पश्यति रामः।	वही मूल अर्थ	बल/फोकस बदल सकता है
पश्यति रामः बालकम्।	वही मूल अर्थ	क्रिया पहले सम्भव

सुरक्षित आदत

लिखते समय आरम्भ में कर्ता-कर्म-क्रिया रखें; पढ़ते समय स्थान को अकेला निर्णायक न मानें।

6. प्रसंग तभी, जब व्याकरण अनुमति दे

फलम् जलं स्पृशति। दोनों नपुंसकलिंग रूप प्रथमा या द्वितीया एकवचन हो सकते हैं।

पाठ	अर्थ	समर्थक प्रसंग
फलम् कर्ता	फल जल को छूता है	फल पानी में गिरता/तैरता है
जलं कर्ता	जल फल को छूता है	वर्षा या बढ़ता जल

सही निष्कर्ष

प्रसंग व्याकरण से सम्भव अर्थों को क्रम देता है; असम्भव व्याकरण को सही नहीं बनाता।

7. सरल नियम कहाँ टूटता है

रचना	उदाहरण	क्या बदला
------	--------	-----------

रचना	उदाहरण	क्या बदला
कर्मवाच्य	रामेण बालकः दृश्यते।	बालकः प्रभावित; रामेण कर्ता
संज्ञा-वाक्य	रामः राजा।	अस्ति अध्याहत
कृदन्त	रामः गतः।	गतः मुख्य कथन
अनुभवकर्ता	महयं पुस्तकम् रोचते।	अनुभवकर्ता चतुर्थी

8. अभ्यास

- बालकः फलम् खादति—कर्ता, कर्म, क्रिया पहचानें।
- फलम् खादति बालकः—क्या भूमिकाएँ बदलीं?
- रामेण फलम् खाद्यते—कर्ता और प्रभावित वस्तु कौन?
- फलम् जलं स्पृशति—दो अर्थ और दो प्रसंग दें।

उत्तर

बालकः/फलम्/खादति। क्रम बदलने से भूमिका नहीं बदली। रामेण कर्ता, फलम् प्रभावित। अन्तिम वाक्य के दोनों पाठ सम्भव हैं।